नई जिलाधिकारी से जुड़वा शहर के लोगों को नई उम्मीद

क्या सुधर पाएंगी सरकारी कार्यालयों की स्थिति

संवाददाता, 23 जुलाई

अचलपुर- अमरावती जिले की नवनियुक्त जिला अधिकारी श्रीमती पवनीत कौर से जुड़वा शहर वासियों को कई नई उम्मीदें हैं. अमरावती जिला अधिकारी का पदभार संभालने के बाद जुड़वा शहर के शासकीय कार्यालय में जारी लेटलतीफी अधिकारियों, मुख्याधिकारी की अनुपस्थिति व मनमानी पर अंकुश लगाने के साथ ही गरीबों के कार्य तीव्र गति से होंगे, इस प्रकार की आशाएं व्यक्त की जा रही है.

अभी तक सितंबर 2020 के अतिवृष्टि पीड़ितों को मुआवजा तक नहीं मिला, यही नहीं तो अचलपुर नगर परिषद में भ्रष्टाचार व मनमानी सरेआम चल रही है. अधिकारियों की अनुपस्थिति के साथ ही शहर के विकास के बारे में कोई भी कुछ नहीं कर रहा. ऐसे में नई जिलाधिकारी जुड़वा शहर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी व अचलपुर-परतवाड़ा जुड़वा शहर से आने वाली हर शिकायत को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करेंगी, इस प्रकार का विश्वास जुड़वा शहर में देखा जा रहा है. अचलपुर-परतवाड़ा शहर ऐतिहासिक होने के साथ ही यहां पर शासकीय कार्यालयों में मनमाना कार्य चल रहा है. अपने कार्यों के लिए गरीब कार्यालय में जब जाते हैं तो उन्हें उचित उत्तर नहीं दिया जाता, यही नहीं तो सूचना अधिकार कानून के तहत भी उन्हें जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई जाती है. ऐसी कई छोटी-बड़ी समस्याएं हैं जिसमें आम इंसान पिस गया है. नई उम्मीद की किरण के साथ अमरावती जिले की नई जिला अधिकारी श्रीमती पवनीत कौर को जुड़वा शहर के नागरिक नई उम्मीद की किरण के रूप में देख रहे हैं.

जुड़वा शहर में इन दिनों शासकीय कार्यालय में भारी लापरवाही देखी जा रही है. ऐसे में लापरवाह अधिकारियों पर किस तरह से कार्रवाई होगी या व्यवस्था किस तरह से सुधारी जाएगी, यह अभी देखने योग्य होगा. अचलपुर-परतवाड़ा की जनता नई जिला अधिकारी से कई उम्मीदें लगाए हुए है.

एक ही बारिश में लबालब भरा गड़गा प्रकल्प

बिजली खंडित, तातरा में पानी ही पानी

संवाददाता, 23 जुलाई

धारणी- लगातार दो दिन से क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश से गड़गा मध्यम प्रकल्प लबालब भर गया है. यह मेलघाट के लिए अच्छी खबर है. लेकिन समीपस्थ तातरा गांव की समस्याओं की ओर जलसंपदा विभाग ने अनदेखी की है. जलापूर्ति का कुआं पानी से भर गया है और नागरिकों को वही पानी पीना पड़ रहा है. गांव के बाहर से बनाया गया रास्ता पानी के नीचे जाने से आने-जाने का मार्ग बंद हुआ है.

धारणी से 23 किमी. दूरी पर तथा गड़गा डैम की तलहटी में स्थित तातरा में सड़क पर बारिश का पानी भर जाने से गांव का संपर्क टूट गया है. दूसरी ओर जलापूर्ति योजना का कुआं पानी से लबालब भरने से मटमैला व दूषित पानी पीने की नौबत आदिवासियों पर आई है. बिजली गुल रहने से अंधेरे का सामना करना पड़ रहा है. गड़गा डैम लबालब भरने से अधिकारी इतने खुश हो गए हैं कि वह फोन उठाने को भी तैयार नहीं है.

मोगर्दा-तातरा की सड़क डूब क्षेत्र में जाने से जलसंपदा विभाग ने गांव से सटकर नया रास्ता बनाकर दिया था, लेकिन सड़क का निर्माणकार्य निकृष्ट तथा पानी के निकास के लिए पाइप न डालने से संपूर्ण रास्ता पानी के नीचे समाकर बंद हो गया है. जानकारी के अनुसार तातरा के जलापूर्ति कुएं के समीप स्थित एक कच्चे घर में पानी घुसने से काफी प्रयासों के बाद घर के सदस्यों को राहत मिली. गांव में पेयजल के लिए एकमात्र कुआं है और वह भी बारिश के पानी से शत-प्रतिशत भरने से अनेक समस्याएं पैदा हो गई हैं. गड़गा प्रकल्प का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंचा है, लेकिन वह उम्मीद से ज्यादा तेज गति से ओवर फ्लो हो गया है. जिन किसानों को डूब क्षेत्र में जाने का मुआवजा अभी तक मिला नहीं, उनके 60 एकड़ खेत में प्रकल्प का पानी भरने से फसल बर्बाद हुई है. गड़गा मध्यम प्रकल्प का बैक वॉटर दूर तक पहुंचकर गूगामल वन्यजीव परिसर के नदी-नाले उफान पर बह रहे हैं. डीपीआर बनाने से पहले बैक वॉटर का सही अनुमान नहीं लगाया गया था. ऐसा महसूस हो रहा है. गड़गा नदी का तेज प्रवाह और डैम के ऊपरी क्षेत्र की नदी को अनुमान में नहीं लिया गया है. जिसके चलते पहले वर्ष में बारिश के चार माह में अनेक समस्याएं पैदा होने की संभावना निर्माण हुई है. बताया जाता है कि गड़गा प्रकल्प अंतर्गत संपादित किए गए सभी खेतों के मालिकों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है. अनेक मामले जानबूझकर प्रलंबित रखकर घोटाले को अंजाम देने की गुप्त योजना कुछ अधिकारियों ने बनाई है. तहसील का टिटंबा-मालू मार्ग गड़गा डैम की वजह से बाधित होने के कारण कुछ हिस्सा नए से बनाया जा रहा है. 8 वर्ष बाद भी यह निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है. संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करना आवश्यक है. इस तरह कुल मिलाकर गड़गा प्रकल्प के कारण तातरा गांव समस्याओं में घिर गया है. तत्काल सड़क की दुरुस्ती, पानी के निकास का प्रबंध, पेयजल का प्रबंध करने की आवश्यकता है.

दुरुस्ती के लिए भेज रहे जेसीबी

इस बारे में गड़गा प्रकल्प के कनिष्ठ अभियंता दातिर से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण व मरम्मत के लिए जेसीबी भेज रहे हैं. झोपड़ी के मालिक को इससे पूर्व कई बार नोटिस भेजकर जगह खाली करने को कहा गया था लेकिन वह वहीं पर डटा रहा, ऐसा दातिर का कहना रहा.

'झूलेलाल चलिहे जी धूम' भारतीय सिंधु सभा का कार्यक्रम आज

नीतू केवलरामानी प्रस्तुत करेंगी झूलेलाल के भजन

प्रतिनिधि, 23 जुलाई

नागपुर- भारतीय सिंधु सभा नागपुर की ओर से सिंधी सभ्यता, संस्कृति, भाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जुड़ो जड्डन सां' इस कार्यक्रम के तहत 'झूलेलाल चालिहे जी धूम' इस कार्यक्रम का आयोजन शनिवार, 24 जुलाई को शाम 7 बजे फेसबुक व यूट्यूब पर किया जा रहा है.राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के उपाध्यक्ष तथा भारतीय सिंधु सभा नागपुर के अध्यक्ष घनश्यामदास कुकरेजा के मार्गदर्शन में आयोजित होने इस कार्यक्रम का प्रसासरण महीने में दो बार शनिवार के दिन होगा.भारतीय सिंधु सभा के महासचिव गोपाल खेमानी के अनुसार इस कार्यक्रम में झूलेलाल मंदिर गांधी सागर नागपुर के महंत साईं मोहनलाल जी ठाकुर, स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कुकरेजा, सुहिंणा सिंधी पूना के अध्यक्ष पीतांबर पीटर ढलवानी, भारतीय सिंधु सभा सांस्कृतिक मंच नागपुर के अध्यक्ष किशोर लालवानी, एल.आई.सी. के डेवलपमेंट ऑफिसर ललित अंबवानी, भारतीय सिंधु सभा के सदस्य व कलाकार कमल मूलचंदानी प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे.इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायिका नीतू केवलरामानी द्वारा झूलेलाल के भजनों का सरस प्रस्तुतिकरण होगा. संगीत संयोजन राजेश काड़े का होगा.कार्यक्रम का संचालन भारतीय सिंधु सभा अमरावती के अध्यक्ष तुलसी सेतिया करेंगे. भारतीय सिंधु सभा महिला मंच व भारतीय सिंधु सभा युवा मंच की ओर से समाज के हर वर्ग से जुड़ने की अपील की है.

26 को वंचित आघाड़ी का समन्वय दौरा

चांदूर रेलवे- आगामी 26 जुलाई को बहुजन आघाड़ी की प्रभारी अध्यक्ष रेखा ठाकुर, महिला आघाड़ी की महासचिव डॉ. अरुंधती शिरसाट व राज्य उपाध्यक्ष गोविंद दलवी का संगठन, समीक्षा, समन्वय व संवाद दौरा रखा गया है. अमरावती के शेगांव-रहाटगांव रोड स्थित जावरकर हॉल में सुबह 11 बजे बैठक, शाम 5 बजे सम्यक विद्यार्थी आंदोलन रखा गया है.

इनरव्हील क्लब ऑफ अचलपुर का पदग्रहण समारोह

अध्यक्ष भारती अग्रवाल व सचिव डॉ. मंगल राठी

विनीता धर्मा, 23 जुलाई

अचलपुर- इनरव्हील क्लब ऑफ अचलपुर का पद ग्रहण समारोह बुधवार 21 जुलाई शाम 4 बजे कदली में संपन्न हुआ. इनरव्हील क्लब पदग्रहण की शुरूआत परंपरा के अनुसार इनरव्हील प्रार्थना व दीप प्रज्वलन कर किया की गई. तत्पश्चात वर्तमान इनरव्हील क्लब ऑफ अचलपुर की अध्यक्षा मनीषा केजरीवाल ने परंपरा के अनुसार आगामी अध्यक्ष भारती अग्रवाल को कॉलर व पिन पहनाकर पदभार सौंपा व क्लब का चार्टर भी उनके हाथों में दिया. क्लब की वर्तमान सेक्रेटरी भारती अग्रवाल ने आगामी सेक्रेटरी डॉ. मंगल राठी को पिन पहनाकर सचिव का पदभार सौंपा. इसी प्रकार आईएसओ बनी नेहा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष के रूप में पायल भंसाली ने प्रिया केजरीवाल को पिन लगाई व सीसी तृप्ति अग्रवाल ने चंचल अग्रवाल को पिन पहनाई. इनरव्हील क्लब ने इस वर्ष डिस्ट्रिक्ट की ओर से एक नए पद की घोषणा की. जिसमें क्लब की पूर्ण जानकारी रखने वाले सदस्य, अनुभवी व एक्टिव सदस्य को सीसीसीसी का पद देने की घोषणा की. जिसके अंतर्गत इनरव्हील क्लब ऑफ अचलपुर ने इस पद के लिए विनीता धर्मा को चयनित किया व पिन पहनाकर उन्हें सीसीसीसी का पदभार सौंपा. वर्तमान अध्यक्ष मनीषा केजरीवाल ने अपने शब्दों में क्लब के पूर्ण वर्ष का ब्यौरा रखा व आगामी अध्यक्ष को व उनकी टीम को बधाई दी. नवनियुक्त अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने अपने शब्दों में कहा कि इस बार की डिस्ट्रिक्ट थीम महिला सशक्तिकरण है और उसके अंतर्गत कार्यक्रम अपनी टीम के साथ मिल कर लेंगी, जिसके लिए उन्होंने अपने सभी इनरव्हील सदस्यों का भरपूर साथ मांगना और इसी की शुरूआत करते हुए उन्होंने कार्यक्रम में एक कमलाबाई नामक जो आर्थिक परिस्थिति से कमजोर होने की वजह से अपने बच्चे की शिक्षा नहीं कर पा रही थीं उन्हें कलम, स्लेट, किताबें देकर उन्हें मदद की. श्रेया दौड़ नामक दसवीं कक्षा की बालिका जिसका चयन माय गवर्नमेंट डॉट के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात के लिए हुआ था और वह उनसे मिलकर आई, उसका सत्कार भी किया गया. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व नगराध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा व पूर्व इनरव्हील अध्यक्षा डॉ. शशि बर्दिया को आमंत्रित किया गया था. इन्होंने नई टीम को बधाई दी व उनके कार्यकाल के लिए शुभेक्षा भी दी.

साथ ही साथ आने वाले समय में उन्हें मेहनत और लगन से आगे बढ़ना है इसके लिए प्रेरित किया. इनरव्हील क्लब ऑफ अचलपुर के सभी सदस्यों को कैप प्रदान की गई. कार्यक्रम का संचालन चंचल अग्रवाल ने किया. आभार प्रदर्शन सचिव डॉक्टर मंगल राठी ने किया. कार्यक्रम में लक्ष्मी वर्मा डॉ. शशि बर्दिया, मनीषा केजरीवाल, भारती अग्रवाल, डॉ. मंगल राठी, विनीता धर्मा, प्रिया केजरीवाल, नेहा अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल, पायल भंसाली, भावना बरडिया, कांता देवी अग्रवाल, कमला अग्रवाल, आरती अग्रवाल, राधा अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, श्रेया दौड़, अनिता आदि उपस्थित थे.

औषधीय वनस्पति पिप्पली का भौगोलिक अंकन

सारडा कॉलेज-कार्ड संस्थान ने की पहल

संवाददाता, 23 जुलाई

अंजनगांव सुर्जी-औषधीय वनस्पति पिप्पली या छोटी पीपल अथवा लोंग पेपर नाम ने जानी जाती है. इस औषधीय वनस्पति की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत की खबर है. स्थानीय राधाबाई सारडा महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान एवं कार्ड संस्थान विभाग द्वारा किसानों के हित में पिप्पली औषधीय पौधों के लिए अति महत्वपूर्ण भौगोलिक अंकन करने की पहल की जा रही है. महाविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग इसके लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है. ऐसा पत्र तकनीकी सलाहकार (निर्यात) महाराष्ट्र राज्य फलोत्पादन, औषधि वनस्पति मंडल कृषि आयुक्तालय पुणे, नागार्जुन औषधि वनस्पति उद्यान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विवि, अकोला तथा औषधि वनस्पति सुविधा केंद्र सावित्रीबाई फुले विवि पुणे को देकर मदद की घोषणा प्राचार्य डॉ. वशिष्ठ चौबे व वनस्पति शास्त्र विभाग प्रमुख डॉ. मंगेश डगवाल ने की है.ज्ञात हो कि भौगोलिक अंकन एक प्रकार का रेटिंग रिकार्ड है, जो भौगोलिक क्षेत्र से संबंधित है. यह अंकन प्राकृतिक और मानव निर्मित कृषि उत्पादों की पहचान, गुणवत्ता की निरंतरता और उनके बीच विशेष गुणों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है. इन प्रविष्टियों से विकास, कानूनी संरक्षण, अनधिकृत बिक्री की रोकथाम, निर्यात के अधिक अवसर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के निर्माण में मदद मिलेगी और दुनिया वाणिज्यिक महत्व को बढ़ाने में मदद मिलेगी.

बेहतर अवसर और अधिक बढ़ावा

यदि पिप्पली यह फसल का भौगोलिक अंकन की पंजीकृत स्थिति को प्राप्त कर लेती है, तो इस क्षेत्र के किसानों को बेहतर अवसर और अधिक बढ़ावा मिलेगा. ऐसे महत्वपूर्ण औषधीय पौधों के भौगोलिक अंकन पर तत्काल विचार करके इस कार्य में तेजी लाना महत्वपूर्ण है. इस संबंध में वनस्पति विज्ञान विभाग किसी भी प्रकार के तकनीकी मामले की सहायता और तैयारी के लिए तैयार है. वहीं कार्ड संस्थान अंजनगांव के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत कॉलेज मामले की जांच करेगा. ऐसी जानकारी वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मंगेश डगवाल और विजय लाडोले ने दी.

अमरावती, अकोला, बुलढाणा में उत्पादन

औषधीय वनस्पति पिप्पली की खेती पश्चिम विदर्भ के अमरावती, अकोला और बुलढाणा जिलों में लगभग 800 हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है.

इसमें बड़ी संख्या में छोटे और अल्प भूधारक किसान शामिल हैं. इस क्षेत्र में पहले से ही ऐसी जड़ी-बूटियों की खेती की जाती है. इस प्रकार की खेती भारत में अपनी तरह की एकमात्र खेती है और इस क्षेत्र के लगभग 10,000 कृषक परिवारों की आजीविका का मुख्य स्रोत है.

अज्ञात की मोरना नदी में मिली लाश

प्रतिनिधि, 23 जुलाई

अकोला-अकोला जिले में जोरदार बारिश जारी है. जिसके चलते छोटी-बड़ी सभी नदियों को तथा नालों में बाढ आयी है. सिटी कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र की मोरना नदी के पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मोरना नदी में आई हुई बाढ़ में बहकर आयी, ऐसी जानकारी मिली है.

मृतक की उम्र करीब 25-30 वर्ष होगी, ऐसा अंदाज है. मामले की अगली जांच प्रभारी पीआई शेळके के मार्गदर्शन में पुलिस कर रही हैं.

डिजिटल विलेज हरिसाल का पांच वर्ष में ही विश्व से टूटा संपर्क!

कैशलेश व्यवहार हुआ बंद, विविध सेवाओं की आपूर्ति का दावा खोखला साबित

संवाददाता, 23 जुलाई

धारणी- देश के पहले डिजिटल विलेज के लिए मेलघाट के हरिसाल गांव का चयन 2015 में हुआ था. 2016 में मायक्रोसॉफ्ट की सहायता से डिजिटल विलेज अस्तित्व में आया. उसके प्रचार के लिए शासन की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च भी किया गया, किंतु केवल पांच वर्ष में ही डिजिटल विलेज का स्वप्न इंटरनेट सेवा की बाधा के कारण भंग हो गया है. अनेक व्यापारियों ने इस योजना को पूरी तरह असफल बताया है.

मेलघाट से कुपोषण को समाप्त करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की पहल पर कृति ब्यौरा तैयार किया गया. उस संदर्भ में एक समय कुपोषण से ग्रस्त हरिसाल को डिजिटल विलेज बनाने का निर्णय लिया गया. यहां अत्याधुनिक सुविधाओं की आपूर्ति के लिए आवश्यक इंटरनेट का जाल बुने जाने की घोषणा भी की गई. राज्य शासन और मायक्रोसॉफ्ट के बीच हुए करार के अनुसार धारणी तहसील के हरिसाल गांव को इंटरनेट सेवा के माध्यम से विश्व से जोड़ा गया. आखिरकार 2016 में हरिसाल देश का पहला डिजिटल विलेज बन गया. दूकानों में सभी व्यवहार कैशलेश होने का दावा प्रशासन की ओर से किया गया, शाला डिजिटल हो गई. टेलिमेडिसिन केंद्रों के कारण 120 किलोमीटर की दूरी से अमरावती उपचार लेने की आवश्यकता नहीं रही. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आय केअर सेंटर शुरू किए गए. तत्कालीन जिलाधिकारी किरण गीते ने बार-बार हरिसाल को भेंट देकर कामों का निरीक्षण किया, किंतु केवल पांच वर्षों में ही यह योजना टांय-टांय फिस्स हो गई और हरिसाल का विश्व से संपर्क टूट गया, ऐसा एक होटल व्यवसायी ने कहा. 11 कंपनियों को साथ लेकर ग्रामवासियों को विविध सेवाएं उपलब्ध करवाने का मायक्रोसॉफ्ट का दावा खोखला साबित होने का आरोप भी यहां के नागरिकों ने लगाया है.

अब तो एक्स डिजिटल विलेज

2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की पहल पर यहां डिजिटल योजना चलाई गई. इस योजना का खर्च निजी कंपनियों के सीएसआर फंड से किया गया, ऐसी जानकारी ग्रामवासियों ने दी, किंतु केवल निःशुल्क वायफाय दिया तो गांव डिजिटल नहीं होता. गांव में विद्युत और पानी की भी समस्या है. इसके अलावा डिजिटल व्यवहारों के लिए गांव में व्यापक प्रमाण में जनजागृति मुहिम चलाना भी आवश्यक था, किंतु इंटरनेट डिसकनेक्टिविटी के कारण सबकुछ व्यर्थ हो जाने का रोष व्यक्त करते हुए हरिसाल के ग्रामवासी अब यह गांव एक्स डिजिटल विलेज होने के प्रति खेद व्यक्त कर रहे हैं.

ऐसी है विभिन्न प्रतिक्रियाएं...

एक महाविद्यालयीन युवक ने कहा, पहले संपूर्ण गांव को मुफ्त वायफाय देने की बात कही गई थी, किंतु अब मात्र यह सुविधा बंद कर दी गई है तथा इंटरनेट के लिए रिचार्ज करना पड़ता है. डिजिटल शाला कभी की बंद हो चुकी है तथा टेलिमेडिसिन केंद्र को भी ताले लग गए हैं. टूजी नेटवर्क मिल रहा होने के कारण कोई भी कैशलेस व्यवहार नहीं करता. कुल मिलाकर डिजिटल विलेज के रूप में प्रकाश में आया हरिसाल अब 'आउट ऑफ रेंज' हो गया है, ऐसा कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी.